कागज पर उतरा सैनिकों का अनछुआ दर्द

plus रिपोर्टर
plusreporter@patrika.com

जयपुर. सन् 1971 में भारत-पाक युद्ध के दौरान पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश बना। इंडियन आर्मी ने पूर्वी पाकिस्तान जाकर महज 16 दिन में एक नया देश, बांग्लादेश बना दिया था। इस युद्ध में फोर्थ गार्ड बटालियन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बटालियन की कमान लेफ्टिनेंट कर्नल हिम्मेथ सिंह ने संभाली थी। युद्ध के दौरान घटी ऐसी ही बहुत-सी घटनाओं को रोचक तरीके से पेश किया गया है बुक- 'द गरुड़ स्ट्राइक्स' में। यह बुक लिखने का इनिशिएटिव लिया जयपुर के हिम्मेथ सिंह की पत्नी जेन हिम्मेथ सिंह ने। शुक्रवार को जयपुर में लॉन्च हुई इस किताब को आम आदमी के लिए लिखा है मिलिट्री थ्रिलर राइटर मुकुल देवा ने।

चार साल तक किया रिसर्च

जेन का कहना है कि 'मेरे पति बांग्लादेश को आजाद करवाने गए थे। युद्ध में बहुत-से सैनिक शहीद हुए। 14 साल की कम उम्र में बच्चियां विधवा हो गई। कुछ को पेंशन तक नहीं मिली। ऐसी न जाने कितनी ही सच्ची दास्तान और अनछुए दर्द थे। उन्हीं पहलुओं को मैंने एक किताब के जरिए जाहिर करने का सोचा। जानकारी इकट्ठा करने के लिए मैं खुद बहुत-से सैनिक परिवारों से मिली। बांग्लादेश भी गई। जेन के मुताबिक, किताब की बिक्री से जो आय होगी, वह ट्रस्ट के माध्यम से सैनिकों के परिजनों को दी जाएगी।'

बुक 'द गरुड़ स्ट्राइक्स' को लॉन्च करते हुए जयसिंह। उनके साथ हैं मेजर चंद्रकांत, बुक के राइटर मुकुल देवा और जेन हिम्मेथ सिंह।